

**M.P.HIGHER JUDICIAL SERVICE MAIN EXAMINATION – 2018**

अनुक्रमांक/Roll No.

--	--	--	--

Total No. of Questions : 12

कुल प्रश्नों की संख्या : 12

No. of Printed Pages : 4

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

**Third Question Paper**  
**तृतीय प्रश्न-पत्र**  
**CRIMINAL LAWS & PROCEDURE**  
**अपराध विधि एवं प्रक्रिया**

समय – 3:00 घण्टे  
Time – 3:00 Hours

पूर्णांक – 100  
Maximum Marks – 100

निर्देश :-

Instructions :-

1. All questions are compulsory. Answer to all the Questions must be given in one language either in Hindi or in English. In case of any ambiguity between English and Hindi version of any question, the English version shall prevail.  
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी एक भाषा में ही देने हैं। यदि किसी प्रश्न के अंग्रेजी और हिन्दी पाठ के बीच कोई संदिग्धता है, तो अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।
2. Write your Roll No. in the space provided on the first page of Answer-Book or Supplementary Sheet. Writing of his/her own Name or Roll No. or any mark of identification in any form or any Number or Name or Mark, by which the Answer Book of a candidate may be distinguished/ identified from others, in any place of the Answer Book not provided for, is strictly prohibited and shall, in addition to other grounds, entail cancellation of his/her candidature.  
उत्तर पुस्तिका अथवा अनुपूरक शीट के प्रथम पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर ही अनुक्रमांक अंकित करें। उत्तर पुस्तिका में निर्दिष्ट स्थान के अतिरिक्त किसी स्थान पर अपना नाम या अनुक्रमांक अथवा कोई क्रमांक या पहचान का कोई निशान अंकित करना जिससे कि परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका को अन्य उत्तर पुस्तिकाओं से अलग पहचाना जा सके, सर्वथा प्रतिषिद्ध है और अन्य आधारों के अतिरिक्त, उसकी अभ्यर्थिता निरस्त किये जाने का आधार होगा।
3. Writing of all answers must be clear & legible. If the writing of Answer Book written by any candidate is not clear or is illegible in view of Valuer/Valuers then the valuation of such Answer Book may not be considered.  
सभी उत्तरों की लिखावट स्पष्ट और पठनीय होना आवश्यक है। किसी परीक्षार्थी के द्वारा लिखी गई उत्तर-पुस्तिका की लिखावट यदि मूल्यांकनकर्ता/मूल्यांकनकर्तागण के मत में अस्पष्ट या अपठनीय होगी तो उसका मूल्यांकन नहीं किया जा सकेगा।

P.T.O.

Q.No./प्र.क्र.

Marks/अंक

**INDIAN PENAL CODE, 1860****भारतीय दण्ड संहिता, 1860**

1. Whether a woman can be charged for offence of abetment of rape?  
क्या एक महिला को बलात्कार के दुष्प्रेरण के अपराध के लिये आरोपित किया जा सकता है ? 8
2. 'A' with an intention to cause death of B, shoots at him but 'B' escapes and 'C' is killed. 'A' never intended to kill 'C'. State with reasons whether the offence of causing death of 'C' is murder or culpable homicide not amounting to murder or none of the two.  
'ख' की मृत्यु कारित करने के आशय से 'क' उस पर गोली मारता है लेकिन 'ख' बच जाता है और 'ग' की मृत्यु हो जाती है। कारणों सहित बताएं कि 'ग' की मृत्यु कारित करने का अपराध हत्या है या हत्या की कोटि में न आने वाला आपराधिक मानववध है या दोनों में से कोई नहीं ? 8
3. Examine the correctness of the statement that 'by making a false statement in the sale deed about ownership of property, the seller makes a false document and this act amounts to forgery'.  
इस कथन की शुद्धता की जाँच करें कि 'विक्रयपत्र में संपत्ति के स्वत्व के बारे में झूठा विवरण देकर विक्रेता एक झूठा दस्तावेज बनाता है और यह कृत्य कूटरचना में आता है'। 8

**CRIMINAL PROCEDURE CODE, 1973****दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973**

4. "For every distinct offence of which a person is accused there shall be a separate charge, and every such charge shall be tried separately". State the exceptions if any to this rule ?  
"प्रत्येक अपराध के लिए जिसका कोई व्यक्ति आरोपी है, एक पृथक आरोप होगा और ऐसे प्रत्येक आरोप का पृथक विचारण किया जाएगा।" उक्त नियम के यदि कोई अपवाद हों तो उन्हें स्पष्ट कीजिए ? 8
5. When can the order of issuance of process in revisional jurisdiction be set aside?  
आदेशिका जारी करने का आदेश पुनरीक्षण के क्षेत्राधिकार में कब अपास्त किया जा सकता है ? 8

6. What exceptions are given in Cr.P.C to the rule that 'all evidence shall be taken in the presence of accused'.

दंड प्रक्रिया संहिता में इस नियम के लिए क्या अपवाद दिये गये हैं कि 'समस्त साक्ष्य आरोपी की उपस्थिति में ली जायेगी' ? 8

### INDIAN EVIDENCE ACT, 1872

#### भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872

7. When the statement recorded by police authorities during investigation is covered under section 33 of the Evidence Act and what condition must be fulfilled?

कब अनुसंधान के दौरान पुलिस प्राधिकारी द्वारा दर्ज किये गये कथन साक्ष्य अधिनियम की धारा 33 के तहत आच्छादित होते हैं और कौन-सी शर्तें पूरी होनी चाहिये ? 8

8. Whether the evidence of witness who has been declared hostile can be relied ? Explain with latest judgments.

क्या साक्षी जिसे पक्षविरोधी घोषित किया गया है, की साक्ष्य पर विश्वास किया जा सकता है ? नवीनतम न्यायदृष्टांतों के आधार पर व्याख्या कीजिए । 8

9. What is the privileged communication? Under what circumstances privilege can be waived?

विशेषाधिकार प्राप्त संसूचना क्या है ? किन परिस्थितियों में विशेषाधिकार का अधित्यजन किया जा सकता है ? 8

### NEGOTIABLE INSTRUMENTS ACT, 1881

#### परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881

10. If accused deposits the specified amount which is assessed by Court having regard to the cheque amount, interest and cost by specified date, can court discharge the accused and drop the proceeding of offence under Section 138 Negotiable Instruments Act, 1881 ?

यदि अभियुक्त न्यायालय द्वारा आकलित चैक, ब्याज एवं खर्चों की राशि निश्चित तारीख या उसके पूर्व अदा कर देता है तो क्या न्यायालय उसे धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के आरोप से उन्मोचित कर उसके विरुद्ध चल रही कार्यवाही समाप्त कर सकता है 8



**SC & ST (PREVENTION OF ATROCITIES) ACT, 1989**  
**अनु.जाति और अनु.जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989**

11. What presumptions are applicable in a trial for an offence punishable under Chapter 2 of SC & ST (Prevention Of Atrocities) Act, 1989 ?  
 अनु. जाति और अनु. जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अध्याय-2 में वर्णित किसी अपराध के विचारण में क्या उपधारणाएं अनुप्रयोज्य हैं ? 8

**MIXED**  
**मिश्रित**

12. Write Short-notes on: - 6+6 = 12
1. What are the guidelines issued by Hon'ble Supreme Court in the case Indian Bank Association and others Versus Union of India and others (2014) 5 SCC 590 in respect of issuance of summons in cases of Negotiable Instruments Act, 1881.
  2. Whether benefit of anticipatory bail and probation can be given in a crime under SC & ST (Prevention of Atrocities) Act, 1989?

संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :-

1. माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 के इंडियन बैंक एसोसियेशन एवं अन्य विरुद्ध यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य (2014) 5 एस.सी.सी. 590 वाले मामले में समंस जारी करने व समंस तामीली बावत् क्या मार्गदर्शक सिद्धांत प्रतिपादित किये हैं ?
2. क्या अनु. जाति और अनु. जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अपराध में अग्रिम जमानत व परिवीक्षा के लाभ दिये जा सकते हैं ?

\*\*\*\*\*